License Information

Study Notes (Biblica) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Study Notes (Biblica)

2 राजा 1:1–8:15

पहले राजाओ के बाद दूसरे राजाओ में इस्राएल की कहानी के बारे मे बताया गया है। इस्राएल राष्ट्र उत्तरी राज्य और दक्षिणी राज्य में विभाजित हो गया था। उत्तरी राज्य को इस्राएल कहा जाता था और दक्षिणी राज्य को यहूदा कहा जाता था। उत्तरी राज्य में, एलिय्याह ने राजा अहज्याह के खिलाफ परमेश्वर के संदेश दिए। अहज्याह और योराम दोनों ने झूठे देवताओं की उपासना की जैसे यारोबाम और अहाब ने किया था। इससे पहले कि परमेश्वर एलियाह को स्वर्ग में उठा ले जाएँ, एलीशा ने एलिय्याह की आत्मा का दुगना भाग मांगा। एलिशा एलिय्याह के आध्यात्मिक पहलू के बारे में बात नहीं कर रहा था। वह एलियाह के जीवन और कार्य में पवित्र आत्मा की शक्ति के बारे में बात कर रहा था। इस प्रकार एलीशा ने दिखाया कि वह एक वफादार भविष्यद्वक्ता के रूप में परमेश्वर की सेवा करना चाहता था। एलिय्याह की तरह, एलीशा ने इस्राएल में परिवारों और भविष्यद्वक्ताओं के समूहों की सेवा की। उसने इस्राएल और अन्य राष्ट्रों के अगुवों की भी सेवा की। एलिशा ने शूनेम की एक महिला और उसके पुत्र को जमीन के साथ मदद किया। उसने भविष्यवक्ताओं को कर्ज़, खोई हुई वस्तुएँ और पर्याप्त भोजन जैसी समस्याओं में मदद की। उसने अराम के सैनिकों और अधिकारियों की भी मदद की। परमेश्वर ने एलीशा के माध्यम से बहुत चमत्कार किए। इनमें से एक था नामान को उसके चर्म रोग से चंगा करना। इससे नामान को पता चला कि इस्राएल का परमेश्वर ही सच्चा परमेश्वर है। परमेश्वर ने अराम के सैनिकों को अंधा बनाकर एलीशा की रक्षा की। फिर एलीशा ने अराम के सैनिकों की रक्षा की। एलीशा ने इस्राएल के राजा से कहा कि वह सैनिकों को मारने के बजाय उन्हें खाना खिलाए। एलीशा बहुत दुखी हुआ जब उसने हजाएल नामक अरामी अधिकारी को एक संदेश दिया। बाद में हजाएल ने इस्राएलियों के विरुद्ध बहुत बुरे बुरे काम किये। एलीशा ने इस्राएल के राजा को यह चेतावनी देकर सेवा प्रदान की कि अराम की सेना कहाँ आक्रमण करने वाली है। उसने यह भविष्यवाणी करके भी राजा की सेवा की कि परमेश्वर इस्राएलियों की देखभाल कैसे करेगा। एलीशा ने यह भविष्यवाणी तब की जब योराम, यहोशाफात और एदोम के राजा ने मोआब पर हमला किया। परमेश्वर ने रेगिस्तान में पानी भेजकर सेनाओं को बचाया। एलीशा ने तब भी भविष्यवाणी की जब सामरिया में इस्राएली भूख से मरने वाले थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि परमेश्वर भोर तक शहर को बचा लेंगे। परमेश्वर ने यह अराम की सेना को रथों और घोड़ों की आवाज सुनाकर किया। आवाज ने उन्हें डरा दिया और वे भाग गए। परमेश्वर ने एलीशा की रक्षा के लिए आग के बने रथों और घोड़ों का इस्तेमाल किया। यह आत्मिक प्राणी थे जिन्हे लोग परमेश्वर की अनुमति से ही देख सकते थे। ये उन तरीकों में से एक था जिनसे परमेश्वर अपने लोगों (परमेश्वर के लोगों) की देखभाल करते थे।

2 राजा 8:16–10:36

यहोराम और अहज्याह दक्षिणी राज्य के राजा थे जिन्होंने अहाब के परिवार की स्त्रियों से विवाह किया। इन राजाओं ने अहाब की दुष्ट उपासना का पालन किया। परमेश्वर ने अहाब, ईजेबेल और अहाब के वंशावली के विरुद्ध न्याय किया। परमेश्वर ने उनके बुरे कार्यों और बुरी उपासना के लिए उन्हें सजा देने के लिए येहू का उपयोग किया। येहू ने सुनिश्चित किया कि उत्तरी राज्य में अहाब के परिवार का प्रत्येक व्यक्ति मारा जाए। उसने यह भी सुनिश्चित किया कि अहाब का समर्थन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति मारा जाए। उन्होंने उस भविष्यवाणी को पूरा किया जो एलिय्याह ने अहाब के खिलाफ बोली थी (1 राजा 21:21–22)। येहू ने यह भी सुनिश्चित किया कि बाल की पूजा करने वाले सभी लोगों को मार दिया जाए। इस प्रकार परमेश्वर ने ओम्री और अहाब के पापी रीति रिवाजों को समाप्त किया। उन राजाओं ने उत्तरी राज्य को परमेश्वर के बजाय बाल की उपासना करने में नेतृत्व किया था। फिर भी येहू ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं किया। वह यारोबाम की तरह धातु के बछड़ों की मूर्तियों की उपासना करने का पाप करता रहा।

2 राजा 11:1–16:20

अतल्याह अहाब के परिवार से थी लेकिन उसे येहू ने नहीं मारा था। उसने दक्षिणी राज्य पर शासन किया जब तक योआश सात साल का नहीं हो गया। योआश की चाची यहोशेबा और उसके चाचा यहोयादा ने योआश को अतल्याह से सुरक्षित रखा था। यहोयादा ने योआश को मूसा की व्यवस्था सिखाई। यहोयादा ने राजा और लोगों को फिर से सीनै पहाड़ की वाचा के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित किया। उत्तरी राज्य में, राजाओं की तुलना लगातार यारोबाम से की जाती रही। इस्राएल के बाकी राजाओं ने यारोबाम जैसे पाप किए, जिसमें झूठे देवताओं की उपासना शामिल थी। इसमें यहोआहाज, यहोआश, दूसरा यारोबाम और जकर्याह शामिल थे। जकर्याह येहू की वंशावली का अंतिम राजा था। जब यहोआश राजा था, अराम के राजा हजाएल और बेन्हदद ने इस्राएलियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया। एलीशा ने इसके बारे में भविष्यवाणी की थी। भले ही यहोआश परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य नहीं था, परमेश्वर ने इस्राएलियों पर दया की। एलीशा के पास यहोआश के तीर थे जो इस्राएलियों की रक्षा के लिए परमेश्वर कि शक्ति के प्रतीक थे। एलीशा की मृत्यु पर यहोआश बहुत दुखी हुआ। बाद में, शल्लूम, मनहेम,

पकहयाह, पेकह और होशे ने उत्तरी राज्य में शासन किया। उन्होंने सभी बुराई की और झूठे देवताओं की उपासना की। दक्षिणी राज्य में, राजा योआश, अमस्याह, उज्जियाह और योताम परमेश्वर की वाचा के प्रति विश्वासयोग्य थे। लेकिन यहूदा के किसी भी राजा ने दाऊद की तरह पूरे दिल से परमेश्वर का पीछा नहीं किया। जब अहाज यहूदा का राजा था, उसने भी परमेश्वर का अनुसरण नहीं किया। उसने उत्तरी राज्य और उनके आस-पास के लोगों कि तरह काम किया अहाज ने दक्षिणी राज्य की रक्षा के लिए परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया। इसके बजाय, उसने अश्शूर के राजा पर भरोसा किया। इससे अहाज ने मंदिर में लोगों की आराधना करने के तरीकों में बदलाव किए। उसने यह बदलाव अश्शूर के राजा और झूठे देवताओं का सम्मान करने के लिए किए।

2 राजा 17:1–41

उत्तरी राज्य पहले से ही कई प्रतिज्ञा से जुड़े श्रापों का सामना कर चुका था। जिसकें कारण इस्राएली सुरक्षित और निश्चिंत होकर नहीं रह सके। 1 राजाओ और 2 राजाओ में इस विषय में बहुत सी कहानियाँ हैं। उत्तरी राज्य पर बार-बार आक्रमण हुए। कई बार भूमि पर वर्ष नहीं हुई और न ही पर्याप्त भोजन मिला। कई बार तो लोग इतने भूखे होते थे कि वे अपने मृत बच्चों को भी खा जाते थे। सैकड़ों साल पहले मूसा ने लोगों को इन सभी चीजों के बारे में चेतावनी दी थी। परमेश्वर ने कई भविष्यवक्ताओं को राजाओ और लोगों को चेतावनी देने के लिए भेजा कि वे उसकी ओर लौट आएं। इन भविष्यवक्ताओ मे एलिय्याह, एलीशा, अहिय्याह और कई अन्य शामिल थे। फिर भी उत्तरी राज्य के शासकों और लोगों ने एकमात्र परमेश्वर की उपासना करने से इनकार कर दिया। उन्होंने उस पर भरोसा करने से इनकार कर दिया कि वह उन्हें उनकी ज़रूरत की हर चीज़ मुहैया कराएगा। उन्होंने एक याजकों का राज्य और एक पवित्र राष्ट्र के रूप में जीने से भी इनकार कर दिया। अंततः, परमेश्वर ने वाचा के सबसे बुरे श्रापों को उन पर आने की अनुमति दी। यह 723 और 722 ईसा पूर्व में हुआ जब होशे राजा था। अश्शूर के राजा ने उत्तरी राज्य पर हमला किया और सामरिया पर कब्जा कर लिया। अश्शूरियों ने कई इस्राएलियों को उस भूमि से बाहर जाने के लिए मजबूर किया जिसे परमेश्वर ने अब्राहम को देने का वादा किया था। अश्शूरियों ने इसके बजाय अन्य लोगों के समूहों को सामरिया में रहने के लिए लाया। कई साल पहले परमेश्वर ने इस्राएलियों को कनानियों को बाहर निकालने का आदेश दिया था। लेकिन अब इस्राएलियों को परमेश्वर द्वारा दी गई भूमि से बाहर निकाल दिया गया। उन्हें दूर रहने के लिए मजबूर किया गया। इसे उत्तरी राज्य का निर्वासन कहा गया।

2 राजा 18:1–20:21

जब उत्तरी राज्य निर्वासन में चला गया, तब हिजकिय्याह दक्षिणी राज्य का राजा था। हिजकिय्याह ने उत्तरी राज्य के राजाओं का उदाहरण नहीं अपनाया। उसने दाऊद के उदाहरण का अनुसरण करते हुए केवल परमेश्वर की उपासना की। उसने दक्षिणी राज्य के लोगों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित किया। जब अश्शूर के सेना ने यरूशलेम को घेर लिया, तो सेना के सेनापति ने परमेश्वर का मजाक उड़ाया। हिजकिय्याह ने भविष्यवक्ता यशायाह से सलाह मांगी। हिजकिय्याह ने भी परमेश्वर पर भरोसा किया। उसने परमेश्वर से प्रार्थना (प्रार्थना) की और यरूशलेम को बचाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की। इससे अश्शूर के सेना को पता चलता कि इस्राएल का परमेश्वर ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है। परमेश्वर ने यरूशलेम को अश्शूर से बचाने का वादा किया। इस प्रकार परमेश्वर ने दिखाया कि वह अपने दाऊद के साथ वाचा के प्रति वफादार थे। हिजकिय्याह बीमार हो गया। यशायाह ने घोषणा की कि वह मर जाएगा। हिजकिय्याह ने फिर से प्रार्थना की और परमेश्वर के सामने रोया। परमेश्वर ने हिजकिय्याह पर दया की और उसे जीवित रहने की अनुमति दी। बाबेल संदेशवाहकों के हिजकिय्याह से मिलने के बाद, यशायाह ने बताया कि आगे क्या होगा। बाबेल एक शक्तिशाली राज्य बन जाएगा। यह दक्षिणी राज्य के लिए भयानक मुसीबतें लाएगा।

2 राजा 21:1–23:25

मनश्शे ने हिजकिय्याह के उदाहरण का पालन नहीं किया। उसने यहूदा के सभी राजाओं से ज्यादा बुरे काम किए। उसने लोगों को झूठे देवताओं की उपासना करने और उन कनानी रीति रिवाजों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जो परमेश्वर के विरुद्ध था। इसमें बच्चों की बलि देना शामिल था। मनश्शे ने यरूशलेम में कई लोगों की हत्या भी की। इसलिए परमेश्वर ने अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा चेतावनी दिया कि अब उसके लोगों को पवित्र भूमि छोड़नी होगी। उन्होंने अपने बुरे कार्यों से उस भूमि को अशुद्ध कर दिया था। उन्होंने न तो याजकों का राज्य बनकर और न ही एक पवित्र राष्ट्र बनकर जीवन बिताया। इसलिये परमेश्वर ने उन्हें बताया कि देश को अशुद्ध करने के लिये उन्हें किस प्रकार दण्ड दिया जाएगा। और वाचा के श्राप का सबसे बुरा हिस्सा दक्षिणी राज्य में घटित होगा। यरूशलेम और यहूदा को सामरिया और उत्तरी राज्य की तरह नष्ट कर दिया जाएगा। फिर आमोन राजा बना और उसने मनश्शे के उदाहरण का पालन किया। उसके बाद योशिय्याह ने शासन किया। योशिय्याह ने मनश्शे की तरह दुष्ट काम नहीं किए। उसने दाऊद के अनुसार शासन किया।जब व्यवस्था की पुस्तक को जोर से पढ़ा गया तो योशिय्याह ने ध्यान से सुना। यह मूसा की व्यवस्था की एक प्रति थी।योशिय्याह का हृदय परमेश्वर और उसकी व्यवस्था के प्रति विनम्र और कोमल था। इससे परमेश्वर प्रसन्न हुआ। भविष्यद्वक्ता हुल्दा ने घोषणा की कि योशिय्याह के जीवित रहते हुए परमेश्वर यहूदा को नाश नहीं करेगा। योशिय्याह ने लोगों को सीनै पहाड़ की वाचा को फिर से पालन करने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने झूठे देवताओं की उपासना से

2 राजा 23:26–25:30

संबंधित सभी चीजों को हटा दिया। जिसमे वेदी और उच्चे स्थान शामिल थे। योशिय्याह ने लोगों को फसह के पर्व मनाने के लिए भी उत्साहित किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि यहूदा में मूसा की व्यवस्था का पालन किया जाए।

2 राजा 23:26–25:30

जब योशिय्याह राजा थे, तब दक्षिणी राज्य ने परमेश्वर की आज्ञा मानी। फिर भी उनकी मृत्यु के बाद परमेश्वर के लोग सीनै पहाड़ की वाचा के प्रति वफादार नहीं रहे। वे उन कामों में लगे रहे जो परमेश्वर की इच्छाओं के खिलाफ थे। राजा यहोआहाज, यहोयाकिम, यहोयाकीन और सिदकिय्याह ने राष्ट्र को बुरे काम करने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर का क्रोध उनके लोगों द्वारा किए गए सभी बुरे कामों पर भड़क उठा। इसलिए परमेश्वर ने अपने न्याय के लिए नबूकदनेस्सर और बेबीलोन की सेना को दक्षिणी राज्य पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किया। परमेश्वर ने उनका उपयोग यहूदा पर वाचा के शापों को लाने के लिए किया। यह 587 और 586 ई.पू. में हुआ। कसदियों ने यरूशलेम के चारों ओर की दीवार को तोड़ दिया। उन्होंने राजा के महल और कई महत्वपूर्ण इमारतों को आग मे जला दिया। उन्होंने परमेश्वर के मंदिर मे उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को लूट लिया। और उन्होंने मंदिर को पूरी तरह नष्ट कर दिया। परमेश्वर ने सुलैमान से कहा था कि यदि इस्राएल के राजा झूठे देवताओं की उपासना करेंगे तो ऐसा होगा (1 राजा 9:6--9)। कसदियों ने यहूदा और यरूशलेम के कई लोगों को उनके देश से बाहर जाने के लिए मजबूर किया। उन्हें बँधुआई में रहने के लिए ले जाया गया। इसे दक्षिणी राज्य की बँधुआई कहा गया। जो यहूदा में बचे थे, वे शांति और आराम में नहीं रहे। यह तय करने के लिए लड़ाई हो रही थी कि नेता कौन होगा। बहुत लोग मिस्र में रहने के लिए भाग गए। यहोयाकीन दाऊद के वंशावली का एकमात्र राजा था जो न तो मरा था और न ही मारा गया था। वह बेबीलोन की जेल में था जब तक कि नबूकदनेस्सर के बाद एक शासक ने उसे आज़ाद नहीं कर दिया।